an>

title: Need to take stringent action against the persons involved in alleged scams and corruption in the country.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैडम स्पीकर, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। लेकिन मुझे अपनी पूरी बात रखने के लिए दो-तीन मिनट का समय तो चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : बाद में हमारी पूरी बात सुन भी लीजिएगा, चले मत जाइए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: आपकी बात के लिए नहीं जाएँगे। ...(व्यवधान)

मैडम, इस देश में दो कानून हैं। एक कानून विपक्ष के लिए और इस देश की सरकार के लिए। ...(व्यवधान) क्योंकि, जब यहां पर हमने मुद्दे उठाये थे, करप्शन के मुद्दे उठाये थे, उस वक्त*â€¦* के विरोध में जो थे, चाहे व्यापम का घोटाला हो, *â€¦* की गवर्नमेंट के खिलाफ हमने मुद्दा उठाया था...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: नाम मत लेना, आप केवल व्यापम घोटाला बोल सकते हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: उनका नाम एफ.आई.आर. में आया है, लेकिन अब तक कोई एक्शन नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मगर उस चीज में व्यायम घोटाला कहो, और कुछ कहो, that's all, लेकिन नाम नहीं जायेगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: और*â€¦* के खिलाफ आया था, वह उठाये, लेकिन उसके ऊपर भी कोई एक्शन नहीं है। *â€¦* के खिलाफ यहां पर हमने कहा था।

माननीय अध्यक्ष: किसी का भी नाम मत लो, आप घोटाले का नाम लो, तब चलेगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं यह बताना चाहता हूं कि देश में कैसे दो अलग-अलग कानून हैं। एक रूलिंग पार्टी के लिए, एक उनके लिए और दूसरा जो गुजरात में विरोधी पक्ष के नेता हैं, *â€¦* के घर पर रेड होती है। यहां पर *â€¦* घोटाला करते हैं, उनके खिलाफ आज तक इन्क्वायरी नहीं की गई। उसी ढंग से हिमाचल प्रदेश में वहां पर शादी हो रही है, शादी चल रही है, डोली जा रही है, उस वक्त सी.बी.आई. की रेड होती है, कुछ भी नहीं मिला तो फिर उसके बाद में एन्फोर्समेंट डायरैक्टोरेट जाकर डिसप्रोपोर्सनेट असैट्स के लिए उनको फंसा देते हैं। उनके लिए कानून अलग है, फिर उसके बाद राजस्थान में *â€¦* के खिलाफ, *â€¦* के खिलाफ, इनके खिलाफ केसेज़ आप दर्ज करते हैं। आपके लोग, आपके मुख्यमंत्री घोटाला करते हैं तो उनके खिलाफ केस नहीं है। उसी ढंग से फिर हरियाणा में गलत सी.बी.आई. के केसेज़ डाल रहे हैं। उसी तरह से सारे अपोजीशन पर एक दमन की नीति और एक तानीशाही के तहत जो बदलाव की नीति यह सरकार अपना रही है, इसीलिए हम यह चाहते हैं कि यह जो नीतियां दो हो रही हैं, एक उनके लिए कानून और एक दूसरों के लिए कानून और खास करके जो विपक्ष के नेताओं को सताया जा रहा है और जो लोग निष्ठावान हैं, प्रामाणिक हैं, उनको डराने के लिए, उनको दबाने के लिए और उनकी आवाज को दबाने के लिए यह पूरी कोशिश हो रही है। अगर आप दबाकर हमारी आवाज को बन्द करना चाहते हैं तो कभी नहीं होगा और उसको होने नहीं देंगे। आप ऐसे डरा नहीं सकते हैं। सी.बी.आई. केस डालकर, एन्फोर्समेंट डायरैक्टर को भेजकर, रेड कराकर अगर विपक्ष को डराना चाहते हैं तो कोई विपक्ष यहां डरता नहीं है।

दूसरी चीज़, मैं सिर्फ अपनी पार्टी के लिए नहीं बोल रहा हूं, सारे अपोजीशन के ऊपर भी ऐसा हो रहा है, उनको दबाने की कोशिश कर रहे हैं। टी.एम.सी. के ऊपर भी हुआ, दूसरी जगह भी हुआ, यह क्यों हो रहा है, क्योंकि अगर आपसे नहीं जमती है, आपके साथ अगर मिलाव नहीं होता है, आपकी बातों में अगर बातें नहीं डालते हैं तो आप हेरेक को हैरेस करने की, दबाने की, ध्वस्त करने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए मैडम, आपने पूछा कि क्यों प्रोटैस्ट कर रहे हैं, इसीलिए प्रोटैस्ट कर रहे हैं कि इस देश में दो कानून हैं।...(व्यवधान) आप बैठिये। और एक चीज़ है। मैडम, मैं बताना चाहता हूं, यूनियन कैबिनेट मिनिस्टर *â€¦*

माननीय अध्यक्ष: आप यह नाम लेकर नहीं कर सकते, You have not given notice. नाम नहीं आएगा।

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Again you are doing it.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: अखबार में आया है, इंडियन एक्सप्रैस में।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अखबार की बात नहीं होगी, फिर गड़बड़ है।

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No name will go on record. यह नहीं होना चाहिए।

...(*Interruptions*)â€¦*

HON. SPEAKER: You have not given any notice. आप पहले नोटिस दे दो।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: एक यूनियन मिनिस्टर, मुजफ्फरनगर दंगे में जो अपराधी थे, उनसे मिलने के लिए जेल में गये हैं और उनको वहां पर कहा है, आपको जो मदद करनी है, मैं दूंगा।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam Speaker, I want to make a submission. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I will allow you.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: यानि एक यूनियन मिनिस्टर जेल में जाकर अगर ये कहते हैं कि अगर आपको कोई तकलीफ है, मुश्किल है तो आपके पीछे मैं हूं। ये कहते हैं, यह सभी को मालूम है। इन सभी चीजों के लिए हम यह प्रोटैस्ट कर रहे हैं। हमें हमारे लोगों को यह बताना है कि हम किसी ज्युडिशियरी के खिलाफ़ नहीं हैं और किसी ज्युडिशियरी की बात यहां पर नहीं है। आपकी जो नीयत है, आपकी नीयत के खिलाफ़ हम यहां पर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। आप जो दमन की नीति अपना रहे हैं, उसके खिलाफ़ हम प्रोटेस्ट कर रहे हैं।...(व्यवधान)

इतना ही नहीं, आपको मालूम है कि वी. के. सिंह के बारे में हमने यहां पर पूछा।...(व्यवधान) उन्होंने दलितों को .... *समान कहा।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह बात नहीं है। बार-बार एक ही बात न करें।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: ....** को अगर पत्थर मारते हैं, तो क्या उसका भी जवाब देना है? उन्होंने यह कहा।...(व्यवधान)

मैडम, अगर ऐसी चीज़ें इनके दिमाग में हैं, उनकी ज़ेहनियत में, उनके विचारों में हैं, तो आप बोलिए क्या न्याय मिलेगा? कोई कहता है दलितो को **...** के साथ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बार-बार एक ही बात न कहें।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मुज़फ्फरनगर में दंगा होता है, तो दंगे वालों के साथ, जिन्होंने वहां पर मर्डर किए, उनके साथ जाते हैं।...(व्यवधान) इसीलिए, हमारा प्रोटेस्ट हो रहा है और हमारी बातों को एक्सपन्ज किया जाता है।...(व्यवधान) यह भी नहीं होना चाहिए।...(व्यवधान)

मैडम, हमारी बातों को जो एक्सपन्ज किया जाता है, यह होना नहीं चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, क्या हो गया?

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : देखिए, ऐसा मज़ाक उड़ाए, तो इसको टॉलरेट नहीं करेंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कोई नहीं उड़ा रहा है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, यहां बोलिए। अपनी बात कम्प्लीट कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: If he laughs, then he thinks that he wants to treat citizens of this country like ...* only. He has no respect. ...(*Interruptions*) A man who has no respect for the Constitution, who has no respect for the weaker sections, he has no right to stay in the Government. ...(*Interruptions*) He should be dropped; he should be dismissed....(*Interruptions*) He is sitting and laughing ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, क्या आपका कम्प्लीट हो गया?

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदया।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैडम स्पीकर, संसद में एक पद्धति है।...(व्यवधान) उन लोगों ने 50 साल राज किया।...(व्यवधान) संसद में पद्धति क्या है?...(व्यवधान) अभी तक वे लोग नारा दे रहे थे - 'तानाशाही नहीं चलेगी।'...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप बैठिए। आपकी बात हो गयी। इसलिए, आप इसे समझ तो लें।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैडम, दस-पन्द्रह लोगों द्वारा खड़े होकर सदन को पूरा स्थगित करने का प्रयास करना, क्या यह तानाशाही है या नहीं?...(व्यवधान)

मैडम स्पीकर, मैं आपके द्वारा सदन से पूछना चाहता हूं कि तानाशाही क्या है?...(व्यवधान)

12.13 hours

(At this stage, Shri Deepender Singh Hooda and some other hon. Members

came and stood on the floor near the Table.)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आपने आरोप लगाए हैं। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैडम, अभी तक खड़गे जी ने बोला, हमने सुना।...(व्यवधान) इनके पास कोई तथ्य नहीं है।...(व्यवधान) कोर्ट ने जो आदेश दिया, उस कोर्ट के आदेश के पीछे सरकार का कोई रोल नहीं है।...(व्यवधान) यह कोर्ट का आदेश है।...(व्यवधान) ये लोग कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करना चाहते हैं।...(व्यवधान) यहां पार्लियामेंट के द्वारा ज्युडिशियरी को धमकी दे रहे हैं।...(व्यवधान) पार्लियामेंट के द्वारा ये लोग ज्युडिशियरी को चेतावनी दे रहे हैं।...(व्यवधान) यह लोकतंत्र के हित में नहीं है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: This is not fair.

...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैडम, आपने देखा होगा, उनके ज़माने में हमारे पार्टी अध्यक्ष अमित शाह को जेल भेजा।...(व्यवधान) इनके ज़माने में हमारे पार्टी अध्यक्ष अमित शाह को जेल भेजा।...(व्यवधान) उनके ज़माने में हमारे मुख्यमंत्री, वर्तमान में प्रधानमंत्री को पुलिस थाने में बुलाकर इंक्वायरी किया।...(व्यवधान) यह सब इनके ज़माने में हुआ।...(व्यवधान) सबको मालूम है कि इमरजेंसी के संदर्भ में क्या हुआ।...(व्यवधान) लाखों की संख्या में लोगों को जेल में डाला।...(व्यवधान) उस समय ज्युडिशियरी की क्या हालत थी, यह सबको मालूम है।...(व्यवधान) इसलिए अभी प्रवचन मत दे।...(व्यवधान) कांग्रेस पार्टी अपनी भूमिका निभाए।...(व्यवधान) जनादेश को स्वीकार करे।...(व्यवधान) The Congress Party is not ready to digest the mandate of the people....(*Interruptions*) They do not want the Parliament to run....(*Interruptions*) They do not want the progressive legislations to be

made....(*Interruptions*) They are thinking they are obstructing Narendra Modi; they are obstructing the progress of the country....(*Interruptions*) They are obstructing the welfare of the people. They should understand that. ...(*Interruptions*) They were in power for 50 years....(*Interruptions*) They cannot go on making sweeping allegations....(*Interruptions*) Mr. V.K. Singh case has gone to a court; the court has categorically said, no such thing happened....(*Interruptions*) Again and again, they are taking the name of Dalit; they are taking the name of *....(*Interruptions*) सदन में वे खुद आरोप लगा रहे हैं।...(व्यवधान) सदन में ऐसी भाषा का प्रयोग करना कहां तक उचित है?...(व्यवधान) कोर्ट ने उसे खारिज़ कर दिया।...(व्यवधान) उसे आपने देखा।...(व्यवधान)

मैडम, कल का प्रोवोकेशन क्या था? हमने सोचा कि खड़गे जी बताएंगे।...(व्यवधान) कल प्रोवोकेशन क्या था?...(व्यवधान) कोई नोटिस नहीं दिया।...(व्यवधान) आपसे बातचीत किया नहीं, आपको भी बताया नहीं, हमको भी बताया नहीं। उनको भी मालूम नहीं है कि वे क्यों हंगामा कर रहे हैं?...(व्यवधान) उनको भी यह मालूम नहीं है।...(व्यवधान) हंगामा किया, सदन चलने नहीं दिया।...(व्यवधान) पूरा सदन सूरक्षा के बारे में चर्चा करना चाहते थे।...(व्यवधान) यह कहां तक सही है? ...(व्यवधान) क्या यही लोकतंत्र है? ...(व्यवधान) Is it democracy? In what way the Government is involved in yesterday's episode?....(*Interruptions*) It is their problem. This case was registered during their time. In 2012, it was UPA which was in the Government. ...(*Interruptions*) In 2013, it was UPA which was in the Government not the BJP or NDA. So, let them not mislead the country....(*Interruptions*) The entire country is asking as to why the Congress is coming into the Well of the House. They have no reason to explain....(*Interruptions*) They have no answer. They are already exposed. They are frustrated. They are not ready to respect the mandate of the people....(*Interruptions*) The Government is ready to discuss any issue. We have nothing to hide. Our Government have not done anything wrong. None of our ministers have done anything wrong....(*Interruptions*) They are doing an excellent job. All the ministers are doing an excellent job. We are proud of our ministers....(*Interruptions*) The Prime Minister is steadfast in taking the country forward. That being the case, this is intolerance. This is called *tanashahi*....(*Interruptions*)

देखिए, 500 लोग शांत बैठे हैं और 30 लोग हंगामा कर रहे हैं। ...(व्यवधान) सदन को नहीं चलने दे रहे हैं। ...(व्यवधान) क्या यही लोकतंत्र है, क्या सिखा रहे हैं ये लोग, पूरे देशवासियों को क्या प्रवचन दे रहे हैं? ...(व्यवधान) मैं देशवासियों से विनती करता हूं कि देखिए, क्या हो रहा है? ...(व्यवधान) कांग्रेस पार्टी जो चुनाव में हार गई, हार को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। ...(व्यवधान) जो आप लोगों ने आदेश दिया, मोदी जी के पक्ष में जनादेश दिया, उसको ये लोग फेल करना चाहते हैं। ...(व्यवधान) They want to fail the democracy. ...(*Interruptions*) They want to fail the Parliament. They want to fail the Government. ...(*Interruptions*) This will not happen. We are steadfast. Whatever is in the interest of our people, the Government will do it....(*Interruptions*) I only ask them, please understand, realize and respect the mandate of the people....(*Interruptions*) कृपया जनादेश का पालन करिए, उसको स्वीकार करिए। ...(व्यवधान) अपनी भूमिका, अपना दायित्व निभाइए। ...(व्यवधान) यह मेरा सुझाव है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Hon. Members, please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपके लीडर को बोलने के लिए अवसर दिया। उन्होंने अपनी पूरी बात रखी है। Now, I am requesting you to go back to your seats. This is not fair.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : कोई ऐसा ईश्यू पार्लियामेंट के सामने, लोक सभा के सामने नहीं है कि आप वेल में आकर प्रोटेस्ट करें।

There is no issue before the Parliament. So, you have to go back to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This is not fair.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपके नेता ने अपनी बात कही है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am warning you now. I am giving you warning.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : लोक सभा के सामने कोई ईश्यू नहीं है। There is no issue before the Parliament.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Sudip ji, why are you standing? I do not understand that.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : उनको बोलने के लिए मैंने पूरा समय दिया है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I have given him full time to speak. Now, there is no issue. They must go back to their seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Now, I am taking Zero Hour – Dr. Dharam Vira Gandhi.

...(*Interruptions*)